तापमान
अधिकतम 27.8 डिग्री
न्यूनतम 9.4 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

11 डीसी-एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

12 एफसी कॉलेजः बीए तृतीय वर्ष की रिंकी का रहा दबदबा

खबर संक्षेप

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा आज हिसार में

हिसार। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा 4 मार्च को महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। डीसी अनीश यादव ने बताया कि राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा 4 मार्च को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण विषय पर होने वाले कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंग्री।

राष्ट्रीय लोक अदालत 8 मार्च को

हिसार। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशानुसार 8 मार्च को न्यायिक परिसर हिसार एवं हांसी में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि लोक अदालत में 7 बेंच अलग-अलग मामलों की सुनवाई करेंगी। इनमें न्यायाधीशों के द्वारा लंबित मामलों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्थापित की जाने वाली बेंच संख्या एक पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल, बेंच संख्या दो पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत, बेंच संख्या तीन पर प्रधान जिला न्यायाधीश (पारिवारिक न्यायालय) पूनम सुनेजा, बेंच संख्या चार पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मधुलिका, बेंच संख्या पांच पर जेएमआईसी हर्षा शर्मा व बेंच संख्या छः पर जसप्रीत सिंह हिसार में तथा बेंच संख्या सात पर जेएमआईसी विकास हांसी सिविल एवं आपराधिक मामलों का निपटारा करेंगे।

बीडीसी हांसी प्रथम प्रधान का चुनाव 10 मार्च को

हिसार। पंचायत समिति हांसी प्रथम के अध्यक्ष पद का चुनाव 10 मार्च को होगा। डीडीपीओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि उसी दिन सुबह 11 बजे पंचायत समिति हांसी प्रथम के बैठक कक्ष में बैठक होगी। चुनाव में मतदान किए जाने का अधिकार केवल पंचायत समिति के निर्वाचित सदस्यों का ही होगा। चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए हांसी प्रथम के बैठक कक्ष में निश्चित तिथि तथा समय पर अपने कोई विधिमान्य पहचान पत्र सहित उपस्थित होना होगा। जिसके बारे में सभी पंचायत समिति सदस्यों व अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

बाइक के साथ चोरी का आरोपी धरा गया

हिसार। अर्बन एस्टेट पुलिस ने सनसिटी से बाइक चोरी के मामले में मॉडल टाउन के सोमबीर उर्फ शुभम को गिरफ्तार किया है। जिससे चोरी की बाइक बरामद किया है। एचसी जगदीप ने बताया कि बलवंत ने 27 फरवरी को सनसिटी के पास से मोटरसाइकिल चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज करके कार्रवाई करते हुए उक्त आरोपी सोमबीर उर्फ शुभम को गिरफ्तार किया है।

सुरक्षा कर्मियों का भी है सख्त पहरा, सीसीटीवी से हो रही निगरानी

हर पहलू पर आयोग की निगाह, ईवीएम की सुरक्षा के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात

12 मार्च को अलग-अलग जगह होगी मतगणना, सीसीटी से स्टॉग रूम पर नजर, 6 नाकों के सुरक्षा घेरे से गुजरने पर ही मिलेगी एंट्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी और ड्यूटी मजिस्ट्रेट। फोटो : हरिभूमि।

नगर निकाय चुनाव की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम में रख दिया गया है। सुरक्षा के लिहाज से जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव के निर्देशानुसार महाबीर स्टेडियम में पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, इसके साथ ही ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी लगाए गए हैं।

रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह ने सोमवार को बताया कि 12 मार्च को होने वाली मतगणना को लेकर भी अलग-अलग स्थान सुनिश्चित किए गए हैं। मेयर पद के लिए महाबीर स्टेडियम स्थित जिम्नेजियम हॉल (पश्चिमी भाग) और पार्षद पद के 1 से 20 वार्ड के सदस्यों के लिए जिम्नेजियम हॉल (पूर्वी भाग) को सुनिश्चित किया गया है। स्ट्रांग रूम के आस-पास सुरक्षा चाक चौबंद हैं, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में स्ट्रांग रूम है। मतदान की प्रक्रिया के बाद अधिकारियों तथा उम्मीदवारों की मौजूदगी में मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखने के बाद दरवाजे को सील किया गया था।

जिलाधीश अनीश यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 17 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिकारियों को महावीर स्टेडियम, हिसार में बनाए गए स्ट्रांग रूम नम्बर 1 व 2 पर 12 मार्च तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

पेट्रोलिंग पुलिस के साथ कर्मचारी तैनात

स्ट्रांग रूम के आस-पास सुरक्षा चाक चौबंद इंतजाम है। शिफ्टिंग के हिसाब से ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी मौके पर तैनात है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट विनोद सिंगला ने बताया कि स्ट्रांग रूम के आस-पास सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त पुलिस बल है। उन्होंने कहा कि निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए है। उनके साथ ही असिस्टेंट प्रोफेसर सोनू, सुभाष चन्द्र, सुखदेव, सुनील कुमार, विनोद कुमार, विनोद प्रकाश, मुकेश बंसल, जयबीर ढुल, नरेश सुथार को भी ड्यूटी मजिस्ट्रेट की जिम्मेवारी दी गई है। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को निष्ठापूर्वक ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्टेडियम में एंट्री के लिए भी चैक प्वाइंट

रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह ने बताया कि स्ट्रांग रूम के आस-पास तथा स्टेडियम में एंट्री के लिए भी चैक प्वाइंट बनाए गए है। 6 पुलिसकर्मी इंटर वेस्ट साइड तथा 5 पुलिसकर्मी ईस्ट साइड में तैनात है। इसके साथ ही 5 पुलिसकर्मी मिड सेक्शन में भी तैनात है। वहीं, आउटर साइड को कवर करने के लिए 6 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

इसके साथ पेट्रोलिंग के लिए इंस्पेक्टर लेवल के अधिकारियों की निगरानी में समय समय पर गश्त की जा रही है। ताकि स्टॉग रूम के आसपास सुरक्षा घेरे को लांघकर कोई परिंदा भी पंख ना मार सके।

हिसार। स्ट्रांग रूम को निरीक्षण करते कांग्रेस प्रत्याशी कृष्ण सिंगला टीटू।

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया स्ट्रॉन्ग रूम का दौरा

हिसार। कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी कृष्ण कुमार सिंगला उर्फ़ टीटू द्वारा सोमवार को महावीर स्टेडियम स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान ईवीएम के स्ट्रांग रूम के मुख्य द्वार पर लगी सरकार सील की जांच की साथ ही वहां पर मौजूद आधिकारियों से ईवीएम की सुरक्षा पर बातचीत कर सुरक्षा की व्यवस्था की जानकारी ली। कांग्रेस मेयर प्रत्याशी ने कहा कि हिसार की जनता का जनमत ईवीएम में संग्रहित हो गया है जिसका फैसला तो 12 मई को होगा लेकिन उससे पहले ही हिसार की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने में दौरान मेरा भरपूर सहयोग दिया।

इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

नारनौंद। नगर पालिका चुनाव की मतगणना आगामी 12 मार्च को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माजरा प्याऊ में की जाएगी। इस कार्य के लिए परिसर में मतगणना केंद्र स्थापित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोहित महराणा ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को सुरक्षित ढंग से रखने के लिए आईटीआई परिसर में ही स्ट्रांग रूम बनाया गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

उन्होंने बताया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर तीन ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए हैं तथा दो ड्यूटी मजिस्ट्रेट रिजर्व रखे गए हैं। जिला उपायुक्त अनीश यादव द्वारा जारी किए गए आदेशों में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता जीतराम ,अशोक कुमार शर्मा तथा होशियार सिंह को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। यह अधिकारी 12 मार्च तक रेगूलर ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

मंगाली कुटिया के पास कार-टॉले की टक्कर, दाल मिल संचालक की मौत

हिसार। तोशाम रोड पर मंगाली कुटिया के पास सोमवार दोपहर को करीब डेढ बजे एक ट्राले ने इनोवा कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में तोशाम के दाल मिल संचालक बिजेन्द्र की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रॉला छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया है। मृतक के चचेरे भाई भागीरथ ने बताया कि उनके भाई बिजेन्द्र की तोशाम में शिव दाल मिल है। भाई बिजेन्द्र अपनी इनोवा कार में एक शादी समारोह में शामिल होने हिसार आ रहे थे। वे मंगाली कुटिया के पास पहुंचे तो एक चालक ने लापरवाही से ट्राला चलाते हुए बिजेन्द्र की इनोवा कार में सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्राला छोडक़र फरार हो गया।

आठ साल पहले किया था प्रेम विवाह

पति ने दोस्तों के साथ तलाकशुदा पत्नी पर चलाई गोलियां

हांसी। गांव सुल्तानपुर में कार सवार पति ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी तलाकशुदा पत्नी पर गोलियां चलाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इतना ही नहीं कार सवार युवकों ने उसकी साली के सिर में ईंट मारकर घायल कर दिया। राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया। जहा गंभीर हालत के चलते रेफर करक दिया।

जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर निवासी विकास ने 8 साल पहले पूजा से लव मैरिज की थी। दोनों का एक 7 साल लड़का है जो सुल्तानपुर में अपने दादा के पास रहता है। सोमवार को पूजा अपनी बहन के साथ बेटे से मिलने गई थी। जिसकी भनक लगने पर विकास अपने दोस्तों के साथ कार में सवार होकर आया व स्कूटी सवार तलाकशुदा पत्नी पर गोलियां चला दी। इसी दौरान कार सवार युवकों ने उसकी साली के सिर में ईंट से वार कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने विकास व दोस्तों खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। विकास के खिलाफ पहले से भी कई केस दर्ज हैं तथा पिता ने उसे बेदखल किया हुआ है।

होगी कार्रवाई

घायलों के बयान अनुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और वारदात को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।
-रविन्द्र सांगवान, डीएसपी।

ऐसे दिया घटना को अंजामः पूजा अपनी बहन के साथ स्कूटी पर सवार होकर दोपहर करीब अढ़ाई बजे सुल्तानपुर लाडवा रोड पर भरत भट्ठा उद्योग के पास पहुंची तो पीछे से एक एसयूवी गाड़ी आई, जिसमें 3 से 4 युवक सवार थे। पूजा से तलाक ले चुके विकास ने स्कूटी पर जा रही दो बहनों को रुकवा लिया। विकास ने पहले पूजा के हाथ में गोली मारी। इसके बाद पूजा की बहन के सिर में ईंट मारकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी रविंद्र सांगवान, थाना सदर प्रभारी सिद्धार्थ बिश्नोई, थाना शहर प्रभारी सदानंद शर्मा और एसटीएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को मौके पर एक खाली खोल भी बरामद हुआ है। पूजा व उसकी बहन को घायल अवस्था में हिसार अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोते हुए परिवार पर छत का मलबा गिरा, बाल-बाल बचा

- विनोद नगर की घटना, पत्नी व कमरे में पांच साल के बच्चे के साथ सो रहा था जयभगवान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

मिल गेट के विनोद नगर में सो रहे एक परिवार के सदस्यों पर अचानक छत का मलबा गिर गया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी जानमाल की हानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार विनोद नगर का रहने वाला जयभगवान अपनी पत्नी पूनम व दो बच्चे 5 वर्षीय शंकर और अढ़ाई वर्षीय अभिषेक के साथ सो रहा था। अलसुबह अचानक छत का मलबा उनके ऊपर आ गिरा। जयभगवान, पूनम व दोनों बच्चे बाल-बाल बच गए। जयभगवान को पांव में चोट लगी है वहीं पूनम व दोनों बच्चों को भी मामूली चोट लगी है। गनीमत यह रही कि परिवार बाल बाल बच गया। छत का मलबा गिरने से जिस चारपाई पर बच्चा शंकर सो रहा था वह भी मलबा गिरने से पूरी तरह टूट गई। वहीं सामान भी मलबे के नीचे दब गया। मलबा कमरे में रखे सामान पर पड़ा हुआ था। पीड़ित जयभगवान ने कहा कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है उसने सरकार व प्रशासन से गुहार लगाई है कि उसकी आर्थिक मदद की जाए ताकि वह अपने इस मकान की ठीक करवा सके।

युवक ने लगाया फांसी का फंदा, पत्नी, मामा सास-ससुर पर केस

आदमपुर। निकटवर्ती गांव सीसवाल में लगभग 23 वर्षीय युवक ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हिसार नागरिक अस्पताल में भिजवाया। मृतक संदीप के पिता नेतराम ने पुलिस में बयान देकर उसकी पत्नी किरण, सास सुलोचना, ससुर सोनू व मामा ससुर सुनील के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

हर सोमवार प्रवासी मजदूरों की होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। बैठक को संबोधित करते नोडल अधिकारी डॉ. रवि चौहान।

मलेरिया विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. रवि चौहान के द्वारा मासिक मलेरिया बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. चौहान ने बताया कि प्रत्येक सोमवार को भट्ठों पर काम करने वाले प्रवासी मजदूर, स्लम एरिया में झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष कैंप लगाया जाएगा। इसमें उन लोगों की रक्त की जांच की जाएगी और उनके रिहायशी एरिया में मलेरिया रोधी तमाम गतिविधियां की जाएंगी अगर किसी मरीज को मलेरिया या डेंगू पाया जाता है तो उनको मुफ्त में दवाइयां और अन्य जरूरी चीजें उपलब्ध करवाई जाएगी।

कार्यरत तकनीकी शाखा प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि डेंगू और मलेरिया को रोकने के लिए मार्च माह से ही मलेरिया विभाग कमर कस लेगा और पूरे जिला का माइक्रो प्लान तैयार कर टीम बनाकर कार्य किया जाएगा। घर-घर जाकर बुखार से पीड़ित लोगों की रक्त पट्टिकाएं बनाई जाएगी और मलेरिया होने पर उनको मलेरिया का पूर्ण इलाज दिया जाएगा। मलेरिया विभाग के पास उचित मात्रा में फॉगिंग की दवा उपलब्ध है। बैठक में स्वास्थ्य सुपरवाइजर नफे सिंह, सुखबीर सिंह, जितेंद्र मलिक, जगदीप मान, सतबीर सिंह, ओमप्रकाश, सत्यवान, विनय कुमार, जीत राम आदि ने भाग लिया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पदभार संभाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी एडवोकेट सुनील तिवारी ने बार रूम में दायित्व निभाने की शपथ दिलाई। हाल ही में हुए चुनाव में एडवोकेट संदीप बूरा अध्यक्ष, विकास पूनियां उपाध्यक्ष, समीर भाटिया सचिव, सुनील कुमार भारद्वाज सह सचिव व सुनील कुमार सहदेव कोषाध्यक्ष निर्वाचित इत्यादि शामिल हुए।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सोमवार को पदभार सम्भाल लिया। इससे पूर्व निवर्तमान प्रधान एडवोकेट विनय बिश्नोई व सचिव गौरव बैनीवाल ने पिछले एक साल के कार्यकाल के लेखा-जोखा की जानकारी सांझा करते हुए उनके कार्यकाल के दौरान सहयोग देने के लिए सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट संदीप बूरा ने सभी को साथ लेकर चलने का भरोसा दिलाते हुए उनके निर्वाचन पर बार एसोसिएशन के सभी सदस्यों का का आभार जताया व सभी के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया।

कृषि अनुसंधान, शिक्षा में योगदान व उपलब्धियों पर मिला अवार्ड

वीसी को आईएफएसडीएए जर्मनी में लाइफ टाइम अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से जलवायु परिवर्तन के तहत कृषि स्थिरता के तत्वों और आयामों का मूल्यांकन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सोसायटी आईएफएसडीएए ने एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज को लाइफ टाइम एचिवमेंट अवार्ड देकर सम्मानित किया। यह अवार्ड उनके द्वारा कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के क्षेत्र मे किए गए असाधारण योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को दर्शाता है।

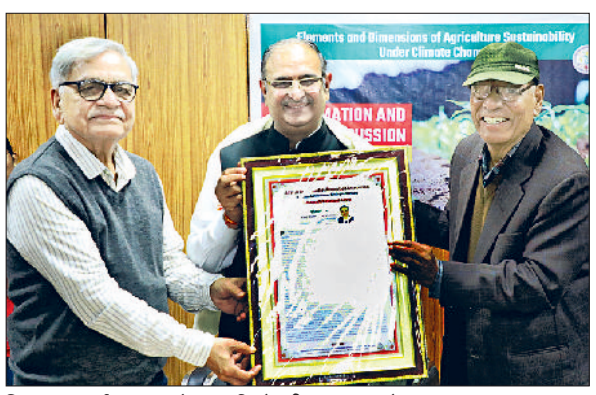

हिसार। अवार्ड प्राप्त करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. काम्बोज को इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन अफ्रीका एंड एशिया जर्मनी और अफ्रीकी-एशियन स्टडीज प्रोमोशन एसोसिएशन महात्मा गांधी हाउस, गोटिनगेन, जर्मनी तथा एसएसएआरएम के संयुक्त तत्वावधान में आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

प्रो. काम्बोज 16 अप्रैल 2021 को विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए थे। इससे पूर्व प्रो. काम्बोज हकृवि के कुलसचिव भी रह चुके हैं। वे गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं। प्रो. काम्बोज एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक रहे हैं। कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान के कारण उन्हें देश के प्रतिष्ठित एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

जलवायु परिवर्तन चर्चा में एसएसएआरएम के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. सिंह व महासचिव डॉ. आर. के. बहल, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं एसएसएआरएम के कार्यकारी सचिव डॉ. एसके पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, उत्तरी क्षेत्र फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश जैन सहित डॉ. ए.एल. खुराना, डॉ. एस.एस. दूदेजा व डॉ. के.एस. भगारवा शामिल रहे। जर्मनी से डॉ. मैनफ्रेड केर्न, आईएफएसडीएए के प्रतिनिधि तथा नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित प्रो. आर्थर रीडेकर (फ्रांस) ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया और प्रो. बी.आर. काम्बोज के सम्मान में प्रशस्ति पत्र प्रस्तुत किया।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
सहेली
रोहतक, मंगलवार
4 मार्च 2025

10

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
विशेष

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा
क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए
पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव
चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

आत्मप्रेरणा
सरस्वती रमेश

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

जरूरी समझ
डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

सलाह
संध्या सिंह

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी बनें डिजिटल एक्सपर्ट

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलांए सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

खबर संक्षेप

छाजूराम शिक्षण कॉलेज के सौरभ को मिला पुरस्कार

हिसार। बनवारी लाल चंदन सुईवाला कॉलेज, तोशाम के द्वारा राज्य स्तरीय अंत:विषय विज्ञान पावरपॉइंट संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय के विद्यार्थी सौरभ जोशी को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्राचार्या डॉ. उर्मिला मलिक ने बताया कि इस प्रकार की स्संगोष्ठियों का उद्देश्य विद्यार्थियों की विभिन्न वैज्ञानिक विषयों की नवीन अंतः विषय प्रस्तुतियों का प्रदर्शन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रतिछेदन की खोज व सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा देना होता है। विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए डॉ मोनिका का विशेष योगदान रहा।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

बरवाला। मॉडल टाऊन बरवाला स्थित दयानंद पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।स्कूल प्रिंसिपल सीमा भनवाला ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भगत सिंह हाउस के तमन्ना, शांतनु व वंश ने पहला और सुभाष चंद्र बोस हाउस के अंतिमा, भावना, हिमांशु व स्नैक्सी ने दूसरा तथा लाल बहादुर शास्त्री हाऊस के पवित्र, विकास व साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्कूल डायरेक्टर सत्यवान कुंडू व प्रिंसिपल सीमा भनवाला ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया।

राजकीय महाविद्यालय ने जीते पुरस्कार

हिसार। राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान जागरूकता के लिए आयोजित विभिन्न गतिविधियों में महाविद्यालय के विद्यार्थी रेणुका और राकेश ने विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के अंतर्गत रसायन शास्त्र का मॉडल प्रस्तुत करके धारणा, खुशबू व कनिष्क ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के उप प्राचार्य प्रो.राजेंद्र सेवदा द्वारा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षण ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

केंद्र के आसपास किसी भी प्रकार का बाहरी लोगों का दखल न हो : डीसी

हिसार। बोर्ड परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते उपायुक्त अनीश यादव और अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

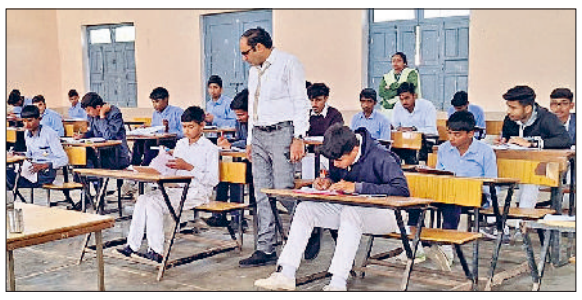

हांसी। परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण करते एसडीएम राजेश खोथ।

परीक्षा केंद्रों पर सेंटर सुपरिटेंडेंट से भी फीडबैक लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

बोर्ड परीक्षाओं को नकल रहित करवाने के उद्देश्य को लेकर प्रशासन लगातार हर पहलू पर नजर बनाए हुए है। इसी के तहत उपायुक्त अनीश यादव तथा पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच कर औचक निरीक्षण भी किया। उपायुक्त अनीश यादव ने सोमवार को परीक्षा केंद्रों पर सेंटर सुपरिटेंडेंट से भी फीडबैक लिया और कहा कि अगर स्टाफ या पुलिस बल की और ज्यादा जरूरत हैं तो इस संबंध में तुरंत जिला शिक्षा अधिकारी को बताएं। उन्होंने स्वयं भी परीक्षार्थियों की गतिविधियों का निरीक्षण किया। उपायुक्त अनीश यादव ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्र में व्यवस्था ठीक रहनी चाहिए तथा केंद्र के आसपास किसी भी प्रकार का बाहरी लोगों का दखल न हो। पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने भी मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों को हिदायत दी कि बाहरी लोगों से सख्ती से निपटा जाएं। जिला उपायुक्त अनीश यादव ने बोर्ड परीक्षा को नकल रहित करवाने के उद्देश्य को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी प्रदीप नरवाल को परीक्षा केंद्रों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत हर रोज सीसीटीवी कैमरों के काम करने सहित परीक्षा केंद्रों पर बाउंड्री वाल जैसे पहलू के बारे में भी रिपोर्ट देने को कहां है।

जिले में 116 परीक्षा केंद्रों पर हो रही परीक्षा

जिले में 116 परीक्षा केंद्र हैं। इनमें 10वीं के 21 हजार 628 तथा 12वीं कक्षा के 17 हजार 377 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे है। परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। नकल की रोकथाम के लिए 9 फ्लाईंग टीम बनाई गई हैं, जिनमें चार एसडीएम के नेतृत्व में, चार प्रश्न पत्र से संबंधित टीम तथा एक जिला शिक्षा अधिकारी की अगुवाई में यह कार्य कर रही है। इसके साथ ही क्षेत्र अनुसार एसडीएम के साथ दो-दो ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी लगाए गए है। पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने कहा कि पुलिस कर्मी भी हर पहलू पर नजर बनाए हुए है। सेंटर्स पर गश्त के लिए पुलिस पीसीआर की ड्यूटियां लगा दी गयी है।

हांसी एसडीएम ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं को नकल रहित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। इसी क्रम में एसडीएम राजेश खोथ ने सोमवार को ढाणी पीरवाली, गढ़ी, ढाणी कुम्हारान तथा ढाणा कलां में बनाए गए परीक्षा केंद्र का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम ने परीक्षा केंद्र के अंदर एवं बाहर की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने परीक्षा ड्यूटी में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को निष्पक्ष एवं सख्ती से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

हिसार। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

जीवन में जब भी संभव हो रक्तदान करें : प्रो. नरसी

- गुजवि में दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य पर लगाया गया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करना मानव का सामाजिक धर्म है। रक्तदान एक महान सामाजिक और पुण्य का कार्य है। हमें अपने जीवन काल में जब भी संभव हो रक्तदान अवश्य करना चाहिए। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई सोमवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से आयोजित रक्तदान शिविर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह रक्तदान शिविर 10 मार्च को विश्वविद्यालय में 10 मार्च को होने वाले दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि होंगी। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि गुजविप्रौवि गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के सिद्धांतों पर चलते हुए अपने सामाजिक कार्यों को बखूबी पूरा कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना को बधाई दी तथा कहा कि आपका किया हुआ रक्तदान किसी को नई जिंदगी दे सकता है। रक्तदान करने से कोलेस्ट्रॉल स्तर कम होता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। रक्त सबसे कीमती उपहार है जो कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को दे सकता है।

200 यूनिट रक्त एकत्रित

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ. अंजू गुप्ता ने की। शिविर के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा व अन्य विभाग के सहायक प्रोफेसर सहित छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया। रेड क्रॉस सोसायटी की तरफ से सिविल अस्पताल तथा महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा सहयोग किया गया। इस शिविर में रक्तदान की 200 यूनिट एकत्रित की गई।

द अल्टीमेट कोडिंग शो डाउन गतिविधि आयोजित

- कार्यक्रम में कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया
- भूमिका प्रथम, दिक्षांत द्वितीय, धीरज एवं प्रमोद तृतीय स्थान पर रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा कोड क्लैशः द अल्टीमेट कोडिंग शो डाउन गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य उनके कोडिंग कौशल को निखारना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. दलीप सिंह तथा सेवानिवृत डॉ. निर्मला बिश्नोई थी तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रवीन बिश्नोई रहे। कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश की देखरेख में किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस विभाग के सदस्य डॉ. यशवंत सांगवान, डॉ. श्वेता, पूनम नरवाल और डॉ. सतिंदर आदि ने भी सक्रिय योगदान दिया। प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष चार छात्रों का चयन किया गया। इसमें भूमिका प्रथम, दिक्षांत द्वितीय, धीरज एवं प्रमोद - तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. राम प्रताप उपस्थित रहे तथा उनके द्वारा विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी व उपप्राचार्य राजेंद्र सेवदा भी उपस्थिति थे।

बड़ा मंदिर में फाल्गुन महोत्सव 6 से : राहुल

- तीस क्विंटल फूलों की सज्जा, 56 भोग व मां अन्नपूर्णा की रसोई का भंडारा होगा विशेष आकर्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

श्री राधे कृष्णा बड़ा मंदिर के 481वें प्राकट्य फाल्गुन महोत्सव में तीस किवंटल फूलों की सज्जा, 56 भोग व मां अन्नपूर्णा की रसोई का भंडारा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। यह कहना था श्री बांके बिहारी बड़ा मंदिर के महंत राहुल शर्मा का। हर वर्ष की तरह इस बार भी विशेष मुहर्त निकलवा कर श्री ठाकुर जी के आदेश से 9 मार्च को श्री राधे कृष्णा बड़ा मंदिर, श्री वृंदावन धाम में 'फाल्गुन मोहत्सव' का दिन निर्धारित किया गया है, जो 4 दिन तक चलेगा। मंदिर परिसर में पत्रकारों से बातचीत में महंत राहुल शर्मा ने बताया कि फाल्गुन महोत्सव 6 मार्च को श्री बांकेबिहारी और राधे रानी की मेहंदी की चुंदड़ी लगेंगी और भक्तों की मन्नतों के लिए चुंदड़ी पर हाथों की थाप और मंदिर में मेहंदी की रस्म शुरू होंगी, राधे रानी का श्रृंगार और श्री बांकेबिहारी की बांसुरी भी भक्तजन इस दिन चढ़ाते हैं।

हिसार। फाल्गुन महोत्सव की जानकारी देते महंत राहुल शर्मा। फोटो : हरिभूमि

शर्मा ने बताया कि 7 मार्च को नगर कीर्तन व रथ यात्रा निकाली जाएगी जिसमें भक्त ध्वजा/निशान उठाकर यात्रा में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 9 मार्च को दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक भजन सत्संग होगा जिसमें विख्यात कलाकार व गायक लाला संजय एंड पार्टी चरखी दादरी, रूपाली मथुरा शैलेंद्र शर्मा पूजा शर्मा वृंदावन, श्वेता राधे प्रिया हिसार, ओमप्रकाश कथूरिया हिसार मोहन तनेजा हिसार से पहुंच कर श्री राधे कृष्णा जी के सत्संग व भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके अलावा विशाल भंडारे का आयोजन रहेगा।

छात्रों की मांगों पर प्राचार्य से की मुलाकात

- प्राचार्य ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के प्रतिनिधिमंडल ने राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कर छात्रों की शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व रोहित घणघस व मोहित सिवाड़ा ने किया, जिसमें एसएफआई के जिला सचिव सुखदेव और जिला कार्यकारी प्रधान निखिल राजली समेत अनेक छात्र मौजूद रहे। प्राचार्य को सोमवार को सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख मांगें में कहा गया है कि कॉलेज बस स्टॉप पर सभी बसों का ठहराव सुनिश्चित किया जाए। जिन छात्रों को अभी तक छात्रवृत्ति नहीं मिली है, उन्हें शीघ्र जारी किया जाए। सभी प्राइवेट और सीटिंग क्लास के छात्रों को बस पास की सुविधा मिले। परीक्षा परिणाम जल्द जारी किए जाएं। पार्किंग फीस में पारदर्शिता और प्रशासनिक निगरानी हो। प्राचार्य ने सभी मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

हिसार। ज्ञापन देता स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का प्रतिनिधिमंडल।

सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत होना जरूरी

- स्वयंसेवकों को दिलाई सड़क सुरक्षा नियमों की शपथ, रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना ही सुरक्षा का अचूक उपाय है। सबको सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी होनी चाहिए जिससे हम और हमारा समाज सुरक्षित रहे।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई सोमवार को विश्वविद्यालय की रेडक्रॉस इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा पर आयोजित जागरूकता रैली के दौरान स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने सभी स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा पालन के बारे में शपथ दिलाई एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर विश्वविद्यालय के तीन नंबर गेट से रवाना किया। उन्होंने सड़क सुरक्षा संबंधित सभी सुरक्षा चिह्नों की जानकारी होने पर बल दिया। प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि समाचार पत्र, टीवी आदि में हर दिन सड़क दुर्घटनाओं की खबरें आती रहती है।

हिसार। जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

सड़क सुरक्षा के लगाए नारे

विश्वविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महावीर प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रेडक्रॉस के फील्ड को-ऑर्डिनेटर सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि आज सुबह सभी वॉलिंटियर्स गेट नंबर तीन पर एकत्रित हो गए और वहां आने जाने वाले वाहनों पर बिना हेलमेट के जो सवारी थी, उनको फूल देकर हेलमेट लगाने के बारे में प्रेरित किया। रैली के दौरान सड़क सुरक्षा के नारे लगवाए गए। ट्रैफिक पुलिस विभाग से विजेंद्र गिल व स्थानीय लोगों का भी सहयोग रहा।

धमकी देने वाले आरोपी को लिया प्रोडक्शन वारंट पर

नारनौंद। स्पेशल स्टाफ पुलिस ने शराब ठेके के बाहर फायरिंग कर धमकी देने वाले मामले में दूसरे आरोपी गुराना निवासी अंकित को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्रोडक्शन वारंट पर लिए गए आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर 29 जनवरी शाम को गांव गुराना में शराब ठेका के बाहर हवाई फायर कर ठेका बंद करने की धमकी दी थी। स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को प्रोडक्शन वारंट के दौरान न्यायालय में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था।

सूचना

मैं, सरोज पत्नी अशोक कुमार निवासी गांव गुराना तहसील हांसी हिसार बयान करती हूं कि मेरे देवर का पुत्र मुकेश जिसका मैंने पालन पोषण किया है। क्योंकि उसके माता-पिता का देहान्त हो चुका है। और अब मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं मुकेश के साथ अपना सम्बंध विच्छेद करती हूं। आज के बाद इसके साथ लेन-देन, व्यवहार करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

हम, सुनील कुमार उर्फ कुलविन्द्र सिंह पुत्र श्री शानू राम व दलजीत कौर पत्नी सुनील कुमार उर्फ कुलविन्द्र सिंह निवासी 404, दुर्गा कालोनी, अर्बन एस्टेट, हिसार हालआबाद गली नं. 18, सूर्य नगर, हिसार (हरियाणा) बयान करते हैं कि हमारा पुत्र कमल हमारे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये हम इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ग्राम पंचायत, राजपुरा
सरपंच : सुनील राजपुरा (ब्लॉक नारनौंद) हिसार
सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत राजपुरा में उप स्वास्थ्य केंद्र के कंडम भवन की खुली नीलामी दिनांक 05.03.2025 को प्रातः 11 बजे मौका स्थल पर करवाई जाएगी। इसकी जमानत राशि 10,000 रू. होगी। बाकी शर्तें मौके पर बताई जाएंगी। इच्छुक बोलीदाता बोली में भाग ले सकता है।
ग्राम सचिव — सरपंच
ग्राम पंचायत राजपुरा — ग्राम पंचायत राजपुरा
मो. 9812415751

महिलाओं को डेयरी उद्योग में अवसरों के लिए तैयार करना उद्देश्य : ढाका

डेयरी प्रसंस्करण को लेकर दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की ओर से केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से अनुसूचित जाति की महिला किसानों के उद्यमिता विकास के लिए पांच दिवसीय 'डेयरी प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार से शुरू हुआ यह शिविर 7 मार्च तक चलेगा और यह सहायक प्रोफेसर डॉ. इंदु और डॉ. सुमित महाजन की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में लुवास के कुलसचिव डॉ. एसएस ढाका मुख्य अतिथि रहे। इसके अलावा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रवि गुप्ता विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि डॉ. एसएस ढाका ने इस अवसर पर कहा कि कहा कि हमारा उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को डेयरी उद्योग में उभरते अवसरों के लिए तैयार करना है, ताकि वे अपने कौशल को बढ़ावा देकर उद्यमिता के नए आयामों को अपना सकें।

हिसार। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि, अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी।

अतिथियों का किया स्वागत

विशिष्ट अतिथि डॉ. रवि गुप्ता ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा, जिससे वे रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकेंगी। डेयरी साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. शरणागौड़ा बी. ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, शिक्षकों, छात्रों, प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

श्री आदिश्वर जैन स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

उकलाना। श्री आदिश्वर जैन हाई स्कूल व आकार इंटरनेशनल प्ले स्कूल का वार्षिक उत्सव हमारी संस्कृति हमारी विरासत कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के सामने दीप जलाकर व पुष्प अर्पित करके की गई। कार्यक्रम में बच्चों ने कार्यक्रम के टाइटल के अनुसार ही वर्ष भर के विभिन्न त्योहार के साथ साथ हरियाणवी पंजाबी व गुजराती सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारत विकास परिषद के उपाध्यक्ष राजेश धलोईया पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस.एस. जैन ने की। स्कूल संचालक संजय गुप्ता ने सभी अतिथियों का वेज लगाकर व प्रशस्ति चिन्ह देकर सम्मान किया।

खबर संक्षेप

सट्टा खाईवाल करते दो आरोपी गिरफ्तार

हांसी। सीआईए स्टाफ व थाना शहर पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर सट्टा खाईवाल करते हुए 17,190 रुपये सहित दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान हनुमान कॉलोनी निवासी राजपाल व चार कुतुब गेट निवासी जोगिंद्र के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता से प्राप्त जानकारी अनुसार सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने हनुमान कॉलोनी निवासी राजपाल को सब्जी मण्डी के नजदीक से 14,150 रुपये व थाना शहर हांसी पुलिस ने चार कुतुब गेट निवासी जोगिंद्र को समाधा रोड़ हांसी से 3040 रुपये सहित गिरफ्तार करके किया।

मकान से चोरी के आरोपी को किया काबू

हांसी। थाना शहर हांसी पुलिस ने मकान में चोरी करने वाले आरोपी सूरज निवासी सुभाष नगर कालोनी को गिरफ्तार किया है। अदालत से आरोपी का एक दिन का रिमांड मिला है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार आरोपी ने 28 जनवरी को रात के समय न्यू सुभाष नगर कालोनी निवासी राजबाला के मकान में कानों की बाली सोने की एक जोड़ी, एक जोड़ी चुटकी चांदी की, एक चैन चांदी, एक लोकेट, एक जोड़ी पाजेब चांदी, दो घड़ी लेडिज, एक सिलाई मशीन, एक पानी की मोटर एक जूसर इत्यादि चोरी किए थे।

नप ईओ और चेयरमैन को सौंपा ज्ञापन

हांसी। शहीद भगत सिंह संगठन समिति के पदाधिकारियों ने सोमवार को शहर की समस्याओं को लेकर समिति सदस्यों ने समिति प्रधान सरदार कृष्ण इलावादी के नेतृत्व में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सुरेश कुमार तथा नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण इलावादी को ज्ञापन सौंपा।इस अवसर पर सन्नी नायक, किशोरी नागपाल, हरीश गंगवानी, हमेश खुराना, विजय पाल शास्त्री, राजकुमार जांगड़ा, राजकुमार मांगड़ा, डॉ. मुन्ना अरोड़ा, अजय भारद्वाज, रामस्वरूप खट्टर मौजूद रहे।

हिमानी के हत्यारोपियों को मिले कड़ी सजा

हिसार। कांग्रेस की युवा नेता हिमानी नरवाल की निर्मम हत्या व सूटकेस में उसके शव को डालकर सांपला के पास फेंके जाने की घटना पर गंभीर चिंता जताई है। समिति की जिला प्रधान शकुंतला जाखड़ व सचिव बबली लाम्बा, कोषाध्यक्ष निर्मला ने कहा कि संगठन हिमानी के परिवार के साथ भी गहरी संवेदनाएं प्रकट करता है तथा उनके न्याय के संघर्ष में उनका साथ देने का वादा करता है। गौरतलब है कि हिमानी रोहतक के वैश्य कॉलेज की एलएलबी की छात्रा थी तथा कांग्रेस की नेता थी।

मतदान में कमी आना चिंताजनकः संपत्त सिंह

हिसार। पूर्व वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रो. सम्पत सिंह ने हरियाणा में नगर निकाय चुनावों के लिए मतदान प्रतिशत में गिरावट पर चिंता व्यक्त की, इसे एक चिंताजनक प्रवृत्ति बताया जो लोकतंत्र और निर्वाचित संस्थानों के भविष्य के लिए खराब संकेत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 40 स्थानीय निकायों के चुनाव में केवल 46.7 फीसद मतदाताओं ने भाग लिया। यह पिछले चुनाव की तुलना में 16 फीसद से अधिक की कमी थी।

एफसी महिला कॉलेज में 65वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

बीए तृतीय वर्ष की रिंकी का रहा दबदबा

विजेता खिलाड़ियों किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

फतेहचन्द महिला महाविद्यालय में 65वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। खेलकूद प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की रिंकी का दबदबा रहा। समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. बिश्नोई ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने मुख्य अतिथि समेत समारोह में आए अन्य अतिथियों को स्वागत किया।

हिसार। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। फोटो: हरिभूमि

ये रहे परिणाम

5000 मीटर की रेस में बीए तृतीय वर्ष की रिंकी ने प्रथम स्थान, बीए प्रथम वर्ष की सरोज ने द्वितीय स्थान, बीए द्वितीय वर्ष की पूजा ने तृतीय स्थान, 3000 मीटर रेस में बीए तृतीय वर्ष की रिंकी प्रथम, बीए प्रथम वर्ष की सरोज द्वितीय व बीए द्वितीय वर्ष की पूजा ने तृतीय स्थान,1500 मीटर रेस में बीए तृतीय वर्ष की रिंकी प्रथम, बीए प्रथम वर्ष की सरोज द्वितीय, बीए तृतीय वर्ष की ज्योति तृतीय, 100 मीटर की रेस में बीए तृतीय वर्ष की रिंकी ने प्रथम स्थान, बीए द्वितीय वर्ष की किरण ने द्वितीय स्थान तथा एमए प्रथम वर्ष की अल्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

श्री लैगड रेस में बीए तृतीय वर्ष की रिंकी तथा ज्योति ने प्रथम स्थान, स्नेहलता और आशा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और बीएससी प्रथम वर्ष की योगिता और सरिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में बीए द्वितीय वर्ष की मनीषा ने प्रथम स्थान, बीए तृतीय वर्ष की रिंकी ने द्वितीय स्थान और प्रीति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य जैनेंद्र कुमार जैन, शिव कुमार सिंगल, डॉ. सविता सिंगल, दिनेश आर. रावलवासिया, मदन लाल अग्रवाल, सतीश कुमार, अनिल गुप्ता, निर्मल कुमार गोयल, राजेंद्र कुमार गर्ग, अनिल अग्रवाल, भारत भूषण जैन, प्रतीक जैन, संजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

खेल हमें हार कर भी सिखाते हैं मुस्कराना: प्रो. बिश्नोई

इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने उड़न परी पीटी उषा तथा ढिंग एक्सप्रेस हिमादास का स्मरण करते हुए कहा कि आज का दिन केवल खेल का दिन नहीं बल्कि आपके सपनों, मेहनत और संकल्प का उत्सव होने के साथ-साथ हुनर को और अधिक निखारने का दिन है। खेल हमें गिरकर उठना और हार कर भी मुस्कराना सिखाते हैं। उन्होंने छात्राओं को उद्बोधित करते हुए कहा जीवन एक दौड़ की तरह है कभी आप आगे रहते है, कभी पीछे। लेकिन जो रूकता नही है, घबराता नही है, निरन्तर मेहनत और लग्न के साथ प्रयास करता रहता है वही जीतता है। इस मौके पर डॉ. वंदना बिश्नोई ने अपने गुरुजनों को सलाम करते हुए अपने अतीत के अनुभवों को सांझा किया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामकुमार रावलवासिया ने लक्ष्य प्राप्ति के चार स्तम्भ बताते हुए उन्होंने छात्राओं को उद्बोधित करते हुए कहा कि आत्म विश्वास, दृढ़ निश्चय और निरंतर अभ्यास एक अचूक बाण है। जो आपको उन्नति के शिखर तक पहुंचा सकता है।

हिसार। कैफे के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए विद्युत नगर निवासी। फोटो: हरिभूमि

कैफे विवाद: 17वें दिन भी प्रदर्शन रहा जारी

- धरने पर बैठे लोगों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

विद्युत सदन में विद्युत नगर कॉलोनी निवासियों ने सोमवार को भी कैफे का विरोध करते हुए पूरे जोश के साथ प्रदर्शन किया जिसकी अध्यक्षता हंसराज ने की व संचालन सुभाष चन्द्र ने किया। कॉलोनी वासियों की तरफ से हंस राज ने बताया कि कॉलोनी वासी 14 फरवरी से लगातार कैफे में चल रही गतिविधियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन मैनेजमैंट के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है जिससे प्रतीत होता है कि मैनेजमैंट की मिलीभगत से सब धांधली की जा रही है। कॉलोनी में प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि कैफे तो हिसार शहर में बहुत है लेकिन ऐसा उनमें नहीं होता है। विद्युत नगर में लोग इस कैफे खुलने से पहले शान्ति से रहते थे।

हो रही परेशानी

कैफे की वजह से हमारे परिवार व बच्चों का रहना मुश्किल हो गया है। इस वजह से हमें अपने व अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस कैफे को बंद करवाना पड़ेगा। राजेश ने कहा कि कैफे मालिक ने मैनेजमेंट से मिलकर पार्क पर अवैध कब्जा कर रखा है जिससे पार्क में घूमना दुभर हो गया है। अगर इस मामले मे मैनेजमैंट ने जल्द ही कोई संज्ञान नहीं लिया अथवा इसको बंद नहीं करवाया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान नरसीदास, सतीश, रणधीर, कर्मबीर, राजकुमार, रमेश शर्मा, रवि सिंह, दिनेश शर्मा, मनोज, हरीश, राजेश, गौरव, नरेश, राजबीर, बीरेन्द्र, राजू, सन्नी, हरीश, राजेन्द्र, सुरेन्द्र, राहुल, देवेन्द्र, पाले राम, सत्यनारायण मौजूद थे।

करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

- एसडी माईन स्कूल किया गया कार्यक्रम, वार्षिक स्कूल पत्रिका ज्ञानदीप का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल के परिसर में सोमवार करियर काउंसलिंग सेशन फॉर चिल्ड्रंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल मैनेजर नकुल अग्रवाल के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। साथ ही वार्षिक स्कूल पत्रिका ज्ञानदीप का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता विनय सिंह 'क्यू एंड आई' के सीईओ और 'थॉमसन डिजिटल' के ईडी एंड सीईओ अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों व अभिभावकों का करियर से संबंधित काउंसलिंग सेशन किया गया।

हांसी। करियर काउंसलिंग सेशन फॉर चिल्ड्रंस कार्यक्रम के दौरान स्कूल पत्रिका ज्ञान दीप का विमोचन करते स्कूल मैनेजर नकुल अग्रवाल उनके साथ हैं स्कूल प्राचार्या ऋतु सिंह व अन्य। फोटो: हरिभूमि

प्रबंधक समिति के प्रधान सज्जन अग्रवाल, मैनेजर नकुल अग्रवाल, कैशियर चंद्रभान गर्ग व सेक्रेटरी रजत अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समस्त विद्यालय परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्या ऋतु सिंह, उपप्राचार्य महेंद्र सिंह, मिडल विंग इंचार्ज पवन बंसल, जूनियर विंग इंचार्ज शिवानी, सीसीई इंचार्ज विपुला सिधर, कृतिका मित्तल, योगेश व अभिभावकगण इत्यादि उपस्थित रहे।

पॉलिटेक्निक का रोजगार में अहम योगदान

- कैंपस इंटरव्यू में कॉलेज के 6 छात्रो का हुआ चयन, प्राचार्य ने चयनित छात्रों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी आदमपुर

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान के खाद्य तकनीकी विभाग के छात्रों ने जयपुर स्थित एमआरजी नट्स प्राइवेट लिमिटेड के ऑफलाइन ऑफ-कैंपस इंटरव्यू में भाग लिया। इस प्रक्रिया में संस्थान के 6 छात्रों– रवि, संदीप, नितेश, निखिल शर्मा, पंकज कुमार, और बिजेंद्र सिंह को नौकरी के लिए चयनित किया गया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने छात्रों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, मंडी आदमपुर निरंतर अपने छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान करने और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंडी आदमपुर। बहुतकनीकी संस्थान स्टाफ सदस्यों के साथ चयनित विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

खाद्य तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष वेदपाल यादव ने कहा कि इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि संस्थान के छात्र किसी भी चुनौती का सामना करने और अपने कौशल से उद्योग में पहचान बनाने में सक्षम हैं। इस साक्षात्कार प्रक्रिया के दौरान संस्थान के खाद्य तकनीकी विभाग बंसी लाल, सुनील धीमान, नीरू रानी, और पूजा मोर इत्यादि सहित स्टाफ सदस्य व छात्र मौजूद रहे।

बरवाला। गांव देवीगढ़ पूनियां में जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक।

राजकीय महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

राजकीय महाविद्यालय बरवाला में चल रहे एनएसएस के साप्ताहिक विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव देवीगढ़ पुनियां में घर–घर जाकर सड़क सुरक्षा नियमों के बारे बताया और सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली। रैली को राजकीय प्राथमिक पाठशाला के मुख्याध्यापक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में स्वयंसेवकों ने दुर्घटना से देर भली और शराब पीकर गाड़ी न चलाएं आदि नारों द्वारा सभी गांववासियों को जागरूक किया। सायं के सत्र में एक मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

- मिलेनियम स्कूल में बच्चों ने प्रस्तत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

राजगढ़ रोड स्थित मिलेनियम पब्लिक स्कूल के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने संस्कारों की अद्भुत छटा बिखेरी। यह कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ। पहले चरण में प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा 2 तक के बच्चों ने भाग लिया। प्ले ग्रुप के बच्चों ने तो एक ही मंच पर संपूर्ण भारत की छटा बिखेरी दी। केजी प्रथम के बच्चों ने दादा-दादी नाना नानी के स्वागत में नृत्य प्रस्तुत किया और सपने को साकार करने की प्रार्थना की। केजी 2 के बच्चों ने बचपन की मस्ती को दर्शकों तक पहुंचा कर तालियां बटोरी। कक्षा एक ने कश्मीर राजस्थान व हरियाणा के रंगों से मंच को रंग दिया। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. दवीना अमर ठकराल ने माता-पिता से बच्चों की परवरिश में संयम रखने का अनुरोध किया और सुनीता रहेजा ने वातावरण को स्वच्छ रखने को शिक्षा में शामिल करने की सलाह दी। एसडीएम ज्योति मितल ने प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कृत किया। प्राचार्य रुबिका खेड़ा में स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

हिसार। कार्यक्रम में देशभक्ति प्रस्तुति देते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

एनएसएस शिविर का शुभारंभ

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सतबीर सांगा के संरक्षण में व राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम व द्वितीय की प्रभारी कुमारी हिना व डॉ मधु बाला के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. भूपेन्द्र सिंगला व महाविद्यालय के पूर्व सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य ने पौधारोपण व दीप प्रज्वलित करके किया। इस मौके पर पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्राचार्य और महाविद्यालय प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. सत्येन्द्र, राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी हीना, डॉ अनिता, सुमन ने विशिष्ट अतिथि व मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

देवां गांव में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

स्वयंसेवकों ने ली होली को नशा मुक्त बनाने की शपथ

- होली पर आपसी मतभेद खत्म कर भाईचारे का संकल्प लेने का किया आहावान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला के गांव देवां में नशा के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय से डॉ. रीना द्वारा किया गया जिसमें नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वालंटियर एवं सिविल अस्पताल से काउंसलर राहुल शर्मा मुख्य वक्ता रहे। राहुल शर्मा ने युवाओं को जागरूक करते हुए बताया कि कुछ दिन बाद होली का पर्व आ रहा है, जिसको हमें बड़ी खुशियों के साथ-साथ आपसी भाईचारे का परिचय देते हुए मिलजुल कर मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पर्व में अपने मन में उत्पन्न हुए भेदभाव को खत्म करना चाहिए। पर्व के अवसर पर कई बार युवा मौज मस्ती के लिए नशे का सहारा लेकर हुड़दंग मचाते हैं, जो कि गलत है। इसके अलावा कई कई बार तो युवा नशा कर गाडिय़ां तेज भगाते हैं, जिससे सडक़ दुर्घटना होने का भी अंदेशा बना रहता है। नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वालंटियर एवं सिविल अस्पताल से काउंसलर राहुल शर्मा ने कहा कि होली पर्व को खुशी से मनाएं और नशा न करने का भी प्रण लें। उन्होंने कहा कि होली पर्व पर बहुमुल्य जल को भी बचाकर हर्बल गुलाल के साथ पर्व को मनाएं।

हिसार। कार्यक्रम में नशा मुक्त की शपथ दिलाते राहुल शर्मा। फोटो: हरिभूमि

खुशी और ऋतिका ने किया मंच संचालन

डॉ. रीना ने पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया की स्वयंसेविकाओं ने नशा न करने की शपथ ली और शपथ लेकर अपने देश और प्रदेश को नशा मुक्त करने का प्रण भी लिया। मंच का संचालन खुशी व ऋतिका द्वारा किया गया। इस मौके पर गांव देवां सरपंच सुमन देवी, सरपंच प्रतिनिधि जयवीर, अध्यापिका मधु, सवेरिन, सुशील आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने ली जीव संरक्षण की शपथ

- यदुवंशी स्कूल में मनाया वन्य जीव संरक्षण दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के प्रांगण में सोमवार को विश्व वन्य जीव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों और शिक्षकों ने वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व पर विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया। कनिष्ठ वर्ग के छात्रों को तेंदुआ, हाथी, बाघ, जिराफ, मोर, बत्तख ,बंदर, पांडा, भालू और अन्य वन्य जीवों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों द्वारा वन्य जीव संरक्षण की शपथ ली। वहीं एलकेजी और यूकेजी के बच्चों को कहानी के माध्यम से वन्य जीवों की सुरक्षा के महत्व को समझाया गया। यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने विलुप्त होती वन्य प्रजाति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आने वाली पीढ़ी को वन्य जीव की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में हर साल 3 मार्च को वन्य जीवों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वन्यजीव दिवस मनाया जाता है।

हांसी। वन्य जीव संरक्षण दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूली छात्र।